डी-अमोनियम फॉस्फेट की कमी

drishtiias.com/hindi/printpdf/shortage-of-di-ammonium-phosphate

प्रिलिम्स के लिये:

DAP

मेन्स के लिये:

DAP का महत्त्व और संबंधित मुद्दे

चर्चा में क्यों?

राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और कर्नाटक सहित कई राज्यों के किसान **रबी मौसम** से पहले मुख्य रूप से डी-अमोनियम फॉस्फेट (DAP) के उर्वरकों की भारी कमी का सामना कर रहे हैं।

इससे पहले सरकार ने **डी-अमोनियम फॉस्फेट (DAP)** उर्वरक पर सब्सिडी बढ़ाकर 140 फीसदी कर दी थी।

STATUS OF KEY RABI FERTILISERS

State	Total requirement till March 31, 2022	Requirement from October 1 to 19	Supply from October 1 to 19	Sale from October 1 to 19	Remaining requirement from Oct 1 to 19 to March 31, 2022	Stock availability as on October 19
UREA (IN LAKH METRIC TONNES OR LMT)						
Punjab	14.50	2.146	4.167	0.62	13.88	3.45
Haryana	11	1.226	2.344	0.56	10.44	1.76
DAP (IN LAKH METRIC TONNES OR LMT)						
Punjab	5.50	1.69	1.72	0.54	4.96	1.135
Haryana	3	0.67	1.07	0.77	2.23	0.29

प्रमुख बिंदु

- **DAP के बारे में:**
  - DAP यूरिया के बाद भारत में दूसरा सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला उर्वरक है।
  - किसान आमतौर पर इस उर्वरक का प्रयोग बुवाई से ठीक पहले या बुवाई की शुरुआत में करते हैं, क्योंकि इसमें फास्फोरस (पी) की मात्रा अधिक होती है जो जड़ के विकास में सहायक होता है।
  - DAP में 46% फास्फोरस, 18% नाइट्रोजन पाई जाती है जो किसानों के लिये फास्फोरस का पसंदीदा स्रोत है।
  - यह **यूरिया** के समान है, जो उनका पसंदीदा नाइट्रोजनयुक्त उर्वरक है जिसमें 46% नाइट्रोजन होता है।

- **कमी का कारण:**
    - **वैश्विक आपूर्ति में व्यवधान:**
        - **महामारी** के चलते वैश्विक आपूर्ति और रसद शृंखला में व्यवधान के कारण वैश्विक स्तर पर उर्वरक की कीमतों में वृद्धि हुई है।
        - वैश्विक कीमतों में वृद्धि के परिणामस्वरूप भारत ने अपने आयात को कम किया है, जिससे देश में उर्वरक स्टॉक में और कमी आई है।
    - **कच्चे माल की बढ़ी कीमतें:**
    - उर्वरकों के साथ-साथ फॉस्फोरिक एसिड, अमोनिया और सल्फर जैसे इनपुट की बढ़ती वैश्विक कीमतों को देखते हुए आयात तभी व्यवहार्य होगा जब सरकार द्वारा प्रदान की गई सब्सिडी युक्त उर्वरक किसानों को उपलब्ध हो सकेगी।
    - **कंपनियों को निश्चित सब्सिडी:**
    - उर्वरक कंपनियों के अनुसार केंद्र द्वारा दी जा रही सब्सिडी की निश्चित दर तुलनात्मक रूप से काफी कम है।
    - इसलिये उन्होंने आपूर्ति को प्रभावित करने वाले DAP के उत्पादन को कम कर दिया है।
- **कमी के निहितार्थ:**
    - यह उन राज्यों में रबी फसलों की बुवाई में बाधा उत्पन्न कर सकता है जो बड़े पैमाने पर मिट्टी की नमी और जलाशयों में पानी की उपलब्धता पर निर्भर हैं।
    - बुवाई के मौसम में उर्वरकों की पर्याप्त मात्रा की अनुपलब्धता भी उत्पादन लक्ष्य को प्रभावित कर सकती है।

आगे की राह

- सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिये कि सामग्री को बंदरगाहों से उपभोग केंद्रों तक शीघ्रता से ले जाया जाए। एक बार जब किसानों को पर्याप्त स्टॉक का आश्वासन हो जायेगा तो अस्थिरता की स्थिति समाप्त हो जाएगी।
- किसानों को DAP के स्थान पर यूरिया-सिंगल सुपर फास्फेट के मिश्रण का उपयोग करने की सलाह दी जा सकती है।

स्रोत: द हिंदू